

UNSTARRED ASSEMBLY QUESTION 409
(Storage for Agriculture Produce)

409 **SH. VARUN CHOUDHARY, MLA:** Will the Agriculture and Farmer Welfare Minister be pleased to state the action taken by the Government for creating storage for agriculture produce in the State ?

Answer: Statement of Dushyant Chautala, Deputy Chief Minister, Haryana.

Sir, to enhance the storage capacity, the State Procuring Agencies including FCI have constructed 4.84 LMT covered godowns and 1.5 LMT Steel Silos during last 3 years from 2018-19, 2019-20 & 2020-21. Further, for the year 2021-22, 9.5 LMT covered storage capacity is under construction with State Procurement Agencies.

Besides above, the Govt. of India has decided to phase out the Covered and Plinth (CAP) capacity in gradual manner and advised to work out a plan to completely switch over from CAP storage to more scientific storage facility such as silos and covered Godown within three years starting from year RMS 2021-22. The State Procurement Agencies have fixed target for phasing out 31.10 LMT CAP capacity in scientific storage i.e. Godown & Silo space in next four years from 2021-22 to 2024-25.

(कृषि उपज के लिए भण्डारण)

409. श्री वरुण चौधरी, एम0एल0ए0: क्या कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री कृपया बताएंगे कि राज्य में कृषि उपज के लिए भण्डारण करने के लिए सरकार द्वारा क्या कार्यवाही की गई ?

उत्तर:- श्री दुष्यंत चौटाला, उप-मुख्यमंत्री, हरियाणा का वक्तव्य।

महोदय, राज्य में भण्डारण क्षमता बढ़ाने के लिए, भारतीय खाद्य निगम सहित राज्य की खरीद संस्थाओं ने पिछले तीन वर्षों 2018-19, 2019-20 और 2020-21 के दौरान 4.84 लाख मिट्रिक टन क्षमता के कवर्ड गोदाम तथा 1.50 लाख मिट्रिक टन क्षमता के स्टील साईलो का निर्माण किया है। इसके अलावा, वर्ष 2021-22 के लिए राज्य की खरीद संस्थाओं की 9.50 लाख मिट्रिक टन कवर्ड भण्डारण क्षमता निर्माणधीन है।

उपरोक्त के अलावा भारत सरकार ने कवर्ड और पलिनथ (बैच) क्षमता को धीरे-2 चरणबद्ध तरीके से समाप्त करने का निर्णय लिया है और रबी सीजन वर्ष 2021-22 से शुरू होने वाले तीन वर्षों के अन्दर-2 बैच भण्डारण से आधुनिक वैज्ञानिक भण्डारण सुविधा जैसे साईलो और कवर्ड गोदामों में पूरी तरह से तबदील करने की योजना तैयार करने की सलाह दी है। राज्य की खरीद संस्थाओं ने 2021-22 से 2024-25 तक अगले चार वर्षों में 31.10 लाख मिट्रिक टन बैच क्षमता को समाप्त करते हुए वैज्ञानिक भण्डारण यानि गोदामों और साईलो में तबदील करने का लक्ष्य निर्धारित किया है।
